पंप स्टोरेज पावर से बनेगी 7,260 मेगावाट बिजली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार ने पंप स्टोरेज पावर या पंप स्टोरेज हाइड्रो पावर को बढ़ावा देते हुए प्रदेश को हरित ऊर्जा का सबसे बड़ा हब बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू किए हैं। इस कड़ी में पंप स्टोरेज पावर (पीएसपी) की तीन बड़ी परियोजनाओं को सोनभद्र जिले के लिए शासन के स्तर से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है।

ग्रीनको ग्रुप एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड और टोरेंट पावर लिमिटेड की पंप स्टोरेज पावर परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से 7,260 मेगावाट की अतिरिक्त हरित ऊर्जा का होगा सृजन होगा। इन तीनों परियोजनाओं के माध्यम से 22,710 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे प्रत्यक्ष तौर पर 1300 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

- सोनभद्र में तीन पंप स्टोरेज पावर परियोजनाओं को स्वीकृति
- 22,710 करोड़ का निवेश होगा
- 1300 से अधिक को रोजगार

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने तीनों कंपनियों को परियोजना के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति से जुड़ा पत्र जारी कर दिया है।

फरवरी माह में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआइएस) में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हुए थे। इनमें ग्रीनको एनर्जीज ने 17,180 करोड़ रुपये की लागत से 3660 मेगावाट की क्षमता वाली दुनिया की सबसे बड़ी आफ स्ट्रीम पीएसपी परियोजना के लिए एमओयू किया था।

कंपनी ने अपने प्रोजेक्ट के लिए सोनभद्र में स्थान की पहचान कर ली है। वहीं, 5530 करोड़ रुपये की लागत से 1200 मेगावाट क्षमता के पावर स्टोरेज प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने में जुटी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी ने भी सोनभद्र में जमीन की पहचान कर राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रारंभिक रिपोर्ट भेज दी है। टोरेंट पावर ने भी 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 2400 मेगावाट की पीएसपी परियोजना विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। यह परियोजना भी सोनभद्र में ही लगेगी।

उल्लेखनीय है कि गत छह मई को सिंचाई, राजस्व, ऊर्जा, वन, डीएम-सोनभद्र व मीरजापुर के आयुक्त की संयुक्त बैठक में पंप स्टोरेज पावर प्रोजेक्ट पर संयुक्त रूप से विमर्श किया गया था। औद्योगिक विकास आयुक्त के परामर्श के बाद, एक इन सभी परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है।

क्या है पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट

पंप स्टोरेज पावर परियोजना क्लीन, ग्रीन व सेफ प्रोजेक्ट है। पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को वाटर बैट्री भी कहा जाता है। इस परियोजना के तहत सस्ती ऊर्जा के समय पानी को ऊपरी रिजरवायर (जलाशय या जलराशि) में पंप किया जाता है। बिजली की मांग बढ़ने और महंगी होने पर पानी को ऊपरी रिजरवायर से निचले रिजरवायर में ले जाकर बिजली पैदा की जाती है। पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पीक डिमांड के समय ऊर्जा का उत्पादन करती है।

उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com
पर पढ़ें